

## अंतरराष्ट्रीय एपिलिप्सी (मरिगी) दविस

प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे सोमवार को अंतरराष्ट्रीय एपिलिप्सी (मरिगी) दविस (IED) के रूप में मनाया जाता है, और इस वर्ष यह 14 फरवरी (2022) को मनाया गया।

- यह दविस आम लोगों को शक्ति करने और रोग, इसके लक्षणों एवं उपचार के बारे में अधिक समझने का अवसर प्रदान करता है।
- यह दिन इंटरनेशनल ब्यूरो फॉर एपिलिप्सी (IBE) और इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलिप्सी (ILAE) की एक संयुक्त पहल है। इसकी शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी।

### एपिलिप्सी (मरिगी):

- एपिलिप्सी (मरिगी) एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार है, इसमें मस्तिष्क की गतिविधि असामान्य हो जाती है, जिससे दौरे या असामान्य व्यवहार, संवेदनाएँ और कभी-कभी अभिज्ञता संबंधी हानि होती है।
  - मरिगी को दो या दो से अधिक अकारण दौरे पड़ने के रूप में परिभाषित किया गया है।
- मरिगी दुनिया की सबसे पुरानी मान्यता प्राप्त स्थितियों में से एक है, जिसके लखित रिकॉर्ड 4000 ईसा पूर्व के हैं।
- दुनिया भर में लगभग 50 मिलियन लोग मरिगी से ग्रसित हैं, जो विश्व स्तर पर सबसे आम न्यूरोलॉजिकल रोगों में से एक है।
  - भारत में लगभग 60 लाख लोग मरिगी से ग्रसित हैं।
- कोई भी व्यक्ति मरिगी रोग से ग्रस्त हो सकता है, लेकिन यह छोटे बच्चों और बड़े वयस्कों में अधिक आम है।
- मरिगी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन इस विकार को दवाओं और अन्य रणनीतियों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।
- वर्ष 2019 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा मरिगी (एपिलिप्सी), एक सार्वजनिक स्वास्थ्य अनिवार्यता रिपोर्ट जारी की गई थी।
  - यह मरिगी पर पहली वैश्विक रिपोर्ट है जिसमें मरिगी के बोझ तथा वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया पर उपलब्ध साक्ष्य का सारांश प्रस्तुत किया गया है।
- WHO मेंटल हेल्थ गैप एक्शन प्रोग्राम (mhGAP) का उद्देश्य विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिये मानसिक, न्यूरोलॉजिकल व मादक द्रव्यों के सेवन विकारों हेतु आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति को बढ़ाना है।

### स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस